

All:	सुनो, सुनो भाई, सुनो सुनो ध्यान लगा के, सुनो, सुनो सुनो सुनो भाई सुनो सुनो ध्यान लगा के, सुनो, सुनो सुनो भाई सुनो सुनो ध्यान लगा के, सुनो, सुनो
Narrator – Mohit and Nidhi	
Mohit:	सुनो सुनो क्या सुनो सुनो ? कौन हो तुम सब ? क्या सुनाना चाहते हो तुम लोग ? बोलो कोन हो तुम ?
Nidhi:	मैं कौन हूँ मैं इस देश का संविधान हूँ जिसे भीमराव आंबेडकर कर जी ने लिखा है क्या आप और आप जानते हैं इस देश के संविधान के बारे में
All:	नहीं
Mohit:	नहीं जानते की आज हमारे देश को आजाद हुए 75 वर्ष हुए है मगर अभी तक हमारे संविधान में दिए गए अधिकारों और कर्तव्यों का पता नहीं है
Mohit And Nidhi:	तो आइये हम आपको बताते हैं हमारे संविधान के अधिकारों के बारे में
Nidhi:	आइये अब हम बढ़ते हैं अपने पहले मौलिक अधिकार की तरफ
Scene 1 (Swatantrata ka adhikar)	
Hema:	पापा पापा
Arpan:	क्या हुआ
Hema:	पापा, मुझे का गोवा जाना है
Arpan:	क्या ?
Hema:	पापा मेरे विद्यालय मे सभी को गोवा लेजा रहे है मेरे को भी गोवा जाना है
Arpan:	नहीं तुम नहीं जा सकती क्यूकी तुम 1 लड़की हो इसलिए मे तुम्हे नहीं भेज सकता अकेले
Hema:	पापा प्लीज़
Arpan:	नहीं, जाओ जाकर अपना काम करो
Debashis:	पापा पापा

Arpan:	अरे मेरा लाल आ गया तू
Debashis:	हाँ पापा
Arpan:	कहा था बेटा
Debashis:	पापा मे दोस्तों के साथ मजे कर रहा था
Arpan:	मजे किये ?
Debashis:	बहुत पापा मुझे गोवा जाना है पापा ?
Arpan:	गोवा जाना है ?
Debashis:	हाँ पापा
Arpan:	कितने पैसे चाहिए ?
Debashis:	पापा मूजे 20 हजार रुपे चाहिये
Arpan:	ले बेटा 30 हजार
Debashis:	थैंक यू पापा थैंक यू
Hema:	पापा ये क्या ? भाई को जाने दे रहे हो मुझे नहीं मुझे भी गोवा जाना है
Arpan:	खामोश ! आवाज़ नीचे तुम एक लड़की हो तुम्हे कोई अधिकार नहीं
Hema:	मुझे भी आजादी का अधिकार है मुझे भी आजाद रहना हैं मुझे भी स्वतंत्रता से जीना का अधिकार है
Arpan:	स्वतंत्रता का अधिकार ?
Hema:	हा स्वतंत्रता का अधिकार
All:	स्वतंत्रता का धिकार, स्वतंत्रता का अधिकार
Mohit:	आइये अब हम बढ़ते हैं अपने दुसरे मौलिक अधिकारों की और

Scene 2 (Samanta ka adhikar)	
Arshad:	अब तो आदत सी हो गयी है मुझे (Song)
Trushant:	क्या कर रहे हो ? देखे नहीं चल सकते ?
Arshad:	क्या हुआ भाई तुम भी तो देख के चल सकते हो
Trushant:	तुम खुद तो गिर गिर के चल रहे हो ओर मुझे भी गिरा दिया और ऊपर से मुझे उल्टा जवाब दे रहे हो मेरे सारे कपड़े गंदे कर दिए
Arshad:	मैं लंगड़ा हूँ इसमें मेरा क्या दोष है तुम ही बताओ मैं लंगड़ा हूँ इसमें मेरा क्या दोष है ? भगवान ने मुझे ऐसा बनाया है क्या मैं इस देश का नागरिक नहीं हूँ ? क्या मुझे समानता का अधिकार नहीं है ?
Trushant:	समानता का अधिकार ?
Arshad:	हा समानता का अधिकार
All:	समानता का अधिकार , समानता का अधिकार
Nidhi:	आइये अब हम बढ़ते हैं हमारे तीसरे मौलिक अधिकार की तरफ
Scene 3 (Shiksha ka adhikar)	
Surya:	ओय तुम यहाँ ?
Sanchari:	हा मैं यहाँ
Surya:	तुम इतने महंगे और अमीरों कॉलेज मे क्या कर रही हो ?
Sanchari:	मैंने अपने पढ़ाई के लिए एडमिशन लिया है
Surya:	इस कॉलेज में पढ़ाई के लिए एडमिशन लिया है ? तुम तो एक गरीब किसान की बेटी हो और इतना खर्चा ?
Sanchari:	तुम इसकी चिंता मत करो इसके लिए मुझे सरकार मदद कर रही है मुझे स्कॉलरशिप मिली है
Surya:	स्कॉलरशिप से यहाँ पढ़ोगी ?

	तुम्हे लेकिन पता भी है आगे चल के कितना खर्चा होगा ?
Sanchari:	तुम्हे क्या, बोलो लेकिन मुझे डॉक्टर बन के देश की सेवा करनी है
Surya:	क्या ? डॉक्टर बनना है तुमे ? आज भी है ! आगे चलकर कितना खर्चा होगा तूमे पता है ? और तो और तुम ठहरी गरीब किसान की बेटी तो आगे जाकर क्या करोगी ?
Sanchari:	मैं गरीब किसान की बेटी हूँ तो क्या हुआ ? मुझे भी शिक्षा का अधिकार है
Surya:	क्या ? शिक्षा का अधिकार
Sanchari:	हा, शिक्षा का अधिकार
All:	शिक्षा का अधिकार शिक्षा का अधिकार
Mohit:	तो आइये अब बढ़ते हैं अपने चौथे मौलिक अधिकारों की तरफ
Scene 4 (Savvedhanik ka adhikar)	
Preeshma:	रुको तुम्हे लाल सिग्नल दिखाई नहीं दे रहा है ? सिग्नल तोड़ के जा रहे हो ?
Ronak:	दिखाय दे रहा है पर मुझे जल्दी जाना है
Preeshma:	जल्दी जाना है तो सिग्नल तोड़ के जाओगे
Ronak:	ओ मैडम, तुम नहीं जानते मे कोन हु
Preeshma:	अचा कोन हो तुम ?
Ronak:	मेरे पापा यहा के एस पी है मुजे licence की जरूरत नहीं है
Preeshma:	तुम्हारे पापा एस पी हुवे तो तुम्हे डबल क्लान कटवाना चाहिए
Ronak:	क्यू ?
Preeshma:	क्यूकि कानून सबके लिए समान है चाहे कोई उचे पद का हो या नीचे पद का हो ? सबको संवैधानिक उपचार का अधिकार है
Ronak:	संवैधानिक उपचार का अधिकार ?

Preeshma:	हा हा, संवैधानिक उपचार का अधिकार
All:	संवैधानिक उपचार का अधिकार , संवैधानिक उपचार का अधिकार
Nidhi:	अब हम बढ़ते हैं हमारे पांचवें मौलिक अधिकार की तरफ
Scene 5 (Dharmik swatrantrata ka adhikar)	
Ronak and Trushant:	रघुपति राघव राजाराम पतित पावन सीताराम (Song)
Kunal:	कोण हो तुम लोग ?
Trushant:	भाई तुम कौन हो ? चिल्ला क्यों रहे हो ?
Kunal:	मे सेख हु ये जागा हमारी है
Trushant:	भाई ये स्थान हमारा है यहाँ पर हम पूजा करते हैं
Kunal:	यह हमारा स्थान है हमारे धर्म के लोग रोज यहा आते है
Trushant:	हम रोज यहा पूजा करते है
Kunal:	हमारे धर्म वाले यहा आते है हम यहा पूजा करेगे
Ronak:	रुक जाव ये मेरा स्थान ये मेरा स्थान क्या लगा रखा है अब धर्म निभाने के लिए स्थान बाटोगे देखो भाई भारत 1 धार्मिक पवित्र देश है यहाँ सबको स्वतंत्रता का अधिकार है
Kunal:	स्वतंत्रता का अधिकार ?
Ronak:	हा, धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार
All:	धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार , धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार
Mohit:	अब आपके समक्ष प्रस्तुत है हमारे आखरी ओर छठा मौलिक अधिकार
Scene 6 (Shoshan ka adhikar)	
Swaroop:	पापा कहते हैं बड़ा नाम करेगा (Song)
Arshad:	ये क्या कर रहे हो ?

Swaroop:	साफ़ सफाई कर रहा था
Arshad:	ऐसे साफ़ सफाई करेगा चारो तरफ गंदकी पड़ी हुई है
Swaroop:	साफ़ सफाई कर रहा हु सहाब
Arshad:	मालिक से जवान लड़ाता है बतमिस
Mohit:	अरे अरे , क्यों मार रहे हो भाई क्या कसूर है इसका
Arshad:	ये मेरा नौकर है मैं इसके साथ जैसा चाहूँ वैसा व्यवहार करूँ तुम होते कौन हो बीच में बोलने वाले ?
Mohit:	मैं इस देश का जिम्मेदार नागरिक हु मैं मानता हूँ ये तुम्हारा नौकर है तुम इसके साथ जैसा मन वैसा व्यवहार करो परन्तु इसकी उम्र तो देखो लगभग 14 वर्ष से भी कम है और तुम इसके साथ ऐसा व्यवहार कर रहे हो तुम्हें शरम नहीं आ रही है
Arshad:	मैं इसको पैसे देता हूँ उस पैसे से इसका पूरा परिवार चलता है तो मेरा इस पर हक है
Mohit:	ये तुम्हारे पैसे से चलता है इसका परिवार परन्तु पता है इसके लिए तुम्हें जेल भी हो सकती है
Arshad:	जेल वो क्यों भला
Mohit:	हाँ जेल क्योंकि यह कार्य शोषण के विरुद्ध अधिकार के अंतर्गत आता है
Arshad:	शोषण के विरुद्ध अधिकार ?
Mohit:	हा, शोषण के विरुद्ध अधिकार
All:	शोषण के विरुद्ध अधिकार , शोषण के विरुद्ध अधिकार
Scene 7 (Bharat mata ki jay)	
Nidhi and Mohit:	तो जैसा की आप सब ने देखा हमारे मौलिक अधिकारों को तो आइए 1 बार फिर से हम उन्हें दोहराते हैं हमारा पहला अधिकार स्वतंत्रता का अधिकार, समानता का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, संवैधानिक उपचार का अधिकार धार्मिक अधिकार और शोषण के विरुद्ध अधिकार

Nidhi:	तो जैसा की आपने देखा हमारे संविधान में दिए गए अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में तो उम्मीद है की आप इन सब कर्तव्यों को अपने जीवन में अमल करें इस परिस्थिति को कुछ वाक्य से अंत करना चाहते है हम लोग
Mohit:	आन दु सम्मान दु या तुझे विमान दु बोल वतन तेरे लिए क्या दू जान भी देना पड़े तो कोई गम नहीं , जान भी देना पड़े तो कोई गम नहीं हम भी गांधी या भगत सिंह से कम नहीं भारत माता की
All:	जय
Mohit:	भारत माता की
All:	जय
Nidhi and Mohit:	जय हिन्द